# CIJ–02/DFJK–02

**June – Examination 2023**

## Certificate in Phalit Jyotish Examination

### फलित ज्योतिष में प्रमाण-पत्र

### (ज्योतिष द्वारा फलादेश की विधि)

**Paper : CIJ–02/DFJK–02**

*Time : **3** Hours* ] [ *Maximum Marks : **100***

**निर्देश :-** यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

**खण्ड—अ** **10×2=20**

**(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश :-** सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) ऋतु किसे कहा जाता है ?

   (ii) मलमास किसे कहते हैं ?

(iii) अमावस्या के कितने भेद कहे गये हैं ? नामोल्लेख कीजिए।

(iv) प्रतिपदा तिथि के देवता कौन हैं ?

(v) सौम्य वार कौनसे कहलाते हैं ?

(vi) प्रदोषकाल किसे कहते हैं ?

(vii) अश्वनी नक्षत्र की आकृति किस प्रकार की मानी गई है ?

(viii) जन्म नक्षत्र किन कार्यों हेतु अनिष्ट माना गया है ?

(ix) जलतत्वीय राशियों के नाम लिखिए।

(x) जन्म-कुण्डली के किन्हीं **तीन** भावों के नाम लिखिए।

**खण्ड—ब** **4×10=40**

**(लघु उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश :-** किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

2. सौरमास एवं चान्द्रमास में क्या अन्तर है ?

3. पक्ष किसे कहते हैं ? शुक्लपक्ष एवं कृष्णपक्ष में क्या अन्तर है ?



4. स्वयंसिद्ध तिथियों का उल्लेख कीजिए।

5. अभिजित मुहूर्त्त को स्पष्ट कीजिए।

6. बृहस्पति ग्रह के गुण-धर्म की विवेचना कीजिए।

7. ग्रहों की पंचधा मैत्री को स्पष्ट कीजिए।

8. अग्निवास का वर्णन कीजिए।

9. देष्क्राण को संक्षेप में समझाइए।

**खण्ड—स** **2×20=40**

**(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश :-** किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

10. ज्योतिषशास्त्र की परिभाषा देते हुए भारतीय ज्योतिष का काल-विभाजन कीजिए।

11. योग किसे कहते हैं ? प्रत्येक योग, उसके स्वामी एवं फलों का वर्णन कीजिए।

12. विवाह संस्कार में दश रेखा दोष का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

13. जन्म-कुण्डली में विंशोत्तरी दशा का विस्तार से वर्णन कीजिए।